भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर
फ़ा.कर. प्रेस/पब्लिसिटी/ 2024 दिनांक: 11/12/24

प्रेस नोट

भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर के 38वां स्थापना दिवस के अवसर पर दिनांक 11 दिसम्बर, 2024 को डॉ मेजर सिंह, माननीय सदस्य, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल, नई दिल्ली के मुख्य आतिथ्य मे आयोजित किया गया | सर्वप्रथम संस्थान के निदेशक महोदय डॉ के. एच. सिंह साहब ने मुख्य अतिथि का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया एवं डॉ बी. यू. दुपारे, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी फसल उत्पादन ने भूतपूर्व निदेशक डॉ वी.एस. भाटिया जी का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया | इस अवसर पर अपने संक्षिप्त उद्बोधन मे डॉ मेजर सिंह ने कहा कि सोयाबीन से इनका काफी गहरा सम्बन्ध रहा है । उन्होंने उत्तर पूर्वी भारत में सोयाबीन के 13 किस्मों के साथ परिक्षण लगाये थे और उन्होंने पाया की सोयाबीन बहुत ही इस क्षेत्र के लिए बहुत ही उपयुक्त फसल है एवं इसकी काफी अपार संभावना है, साथ ही उन्होंने प्राकृतिक एवं जैविक खेती के लिए उपयुक्त किस्मो के विकास पर जोर दिया । सोयाबीन और उसके अन्य उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया पर छोटे विडियो बनाकर डालने को कहा । उन्होंने महाराष्ट्र में सोयाबीन-प्याज फसल प्रणाली के बारे में भी बताया ।

संस्थान के निदेशक डॉ के. एच. सिंह ने संस्थान की उपलब्धिओं की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि विगत वर्ष पूरे भारतवर्ष के लिए अखिल भारतीय समन्वित सोयाबीन अनुसंधान परियोजना के माध्यम से चार किस्मों का विकास किया गया है, जिसमें भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान की एन.आर.सी 197, एन.आर.सी 149, जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्व विद्यालय, जबलपुर से विकसित जे.एस. 23-03 एवं जे.एस. 23-09 तथा इंदिरा गाँधी कृषि विश्व विद्यालय रायपुर केंद्र द्वारा विकसित आर.एस.सी. 11-42 शामिल है । उन्होंने संस्थान के तीनो प्रभागों की उपलब्धियों के बारे में संक्षिप्त में प्रकाश डाला, साथ ही संस्थान में ली गयी नयी पहलों जैसे की आई. सी. ए. आर- जीनोम एडिटिंग प्रोजेक्ट, ग्राम मेम्दी को आदर्श ग्राम अपनाना, सोयाबीन-गेहूं फसल प्रणाली में जल्दी और मध्यम अवधी वाली सोयाबीन किस्मों का प्रदर्शन इत्यादि के बारे में बताया । हाल ही में विकसित आधारभूत संरचनाओं जैसे की मंडप परिसर, सोयाबीन की आर.ए.बी बीमारी का सिक प्लाट, जीनोम एडिटिंग लैब आदि पर प्रकाश डाला ।

सोपा के निदेशक डा. डी एन पाठक ने सोयाबीन के रकबा बढाने के लिए संस्थान द्वारा बनाया गया जी. आई. एस मैप की काफी सराहना की और इसको सरकार के सामने प्रस्तुत करने की सलाह दी ।

भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के निदेशक डा आर के माथुर द्वारा संस्थान के सोशल मीडिया चैनल्स और आदर्श ग्राम मेम्दी की बहुत सराहना की । उन्होंने ए.बी.आई केंद्र

की पहुँच को इसके हितग्राहियों तक पहुंचाने पर जोर दिया, साथ ही सोयाबीन को अन्य फसलों के साथ अंतरवर्ती फसल प्रणालियों को बढ़ावा देने की सलाह दी ।

स्थापना दिवस समारोह के दौरान सोयाबीन की उन्नत उत्पादन तकनिकी के प्रचार-प्रसार हेतु संस्थान द्वारा क्रियान्वित विभिन्न परियोजनाओं के अंतर्गत वर्ष 2024 के खरीफ मौसम में लगाये गए प्रदर्शनों में अधिकाधिक उत्पादन प्राप्त करने वाले प्रगतिशील सोया कृषकों को विशिष्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया. इसमें भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान द्वारा सोयाबीन की शीघ्र एवं मध्यम समयावधि वाली सोया किस्मों पर मध्य प्रदेश के कुल 18 जिलों में लगाये गए प्रदर्शनों में श्री किशोर पाटिल, ग्राम-सिरपुर, तहसील-खकनार, जिला-बुरहानपुर; इंदौर जिले के 25 गाँवों में क्रियान्वित मेरा गाँव मेरा गौरव परियोजनान्तर्गत ग्राम हातोद के श्री दिलीप खेर तथा सिहोर जिले में क्रियान्वित अनुसूचित जाती उपयोजना के अंतर्गत लगाये गए प्रदर्शनों में सोया किस्म एन.आर.सी 142 का 23 क्विंटल/हे उत्पादन प्राप्त करने हेतु पुरस्कृत किया गया. इसी प्रकार संस्थान की अनुसूचित जनजाती उपयोजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश के खरगोन जिले के आदिवासी कृषकों के खेतों पर लगाये गए प्रदर्शनों में सर्वाधिक उत्पादन (एन.आर.सी. 142 किस्म - 22 क्विंटल/हे) लेने के लिए श्री भीम सिंग चौहान एवं इंदौर जिले के मेमदी ग्राम में क्रियान्वित ICAR आदर्श ग्राम परियोजना में लगाये गए प्रदर्शनों में सोया किस्म एन.आर.सी. 150 का 20 क्विंटल/हे उत्पादन प्राप्त करने वाले श्री भीमसिंह केलवा एवं श्री घनश्याम केलवा को भी प्रगतिशील सोया कृषक पुरस्कार से सम्मानित किया गया.

इस अवसर पर भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान की राजभाषा पत्रिका “सोयवृत्तिका” तथा कृषक उपयोगी अद्ययावत वर्ष 2025 की विस्तार बुलेटिन “सोयाबीन की उन्नत खेती एवं तकनिकी अनुशंसाएं” एवं तकनीकी बुलेटिन “सोयाबीन कृषकों के लिए सलाह”, का विमोचन किया गया है |

इस दौरान मुख्य अतिथि के द्वारा संस्थान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया | वर्ष 2023-24 के दौरान सर्वोत्कृष्ट कार्य हेतु वैज्ञानिकों की श्रेणी में डॉ राकेश कुमार वर्मा, प्रशासनिक वर्ग श्रेणी में सुश्री प्रियंका सावन जबकि श्रमिकों की कुशल सहायक श्रेणी में श्रीमती फुलकी बाई एवं श्रीमती रुमली बाई को विशिष्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया. साथ के संस्थान सम्पदा अनुभाग में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए टीम वर्क का पुरस्कार डा ज्ञानेश कुमार सातपुते को, जबकि प्रशासकीय कार्य में शत प्रतिशत बजट उपयोग हेतु सुश्री प्रियंका सावन ने पुरस्कार प्राप्त किया.

इस समारोह में सोयाबीन प्रजातियाँ का विकास करनेवाले प्रजनक वैज्ञानिक डॉ अनीता रानी को सोया किस्म एन.आर.सी. 188 (वेजिटेबल सोयाबीन) एवं एन.आर.सी. 149 के विकास हेतु एवं डॉ विनीत कुमार को एनआरसी 181 एवं एनआरसी 197 जबकि डॉ संजय गुप्ता को सोया किस्म एनआरसी 165 के विकास हेतु प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया. इसी अंतर्राष्टीय

स्तर की शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित उत्कृष्ट शोध पत्र हेतु संस्थान के डॉ महावीर प्रसाद शर्मा को विशिष्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया.

कार्यक्रम के दौरान सोयाबीन फसल की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले संस्थान के तकनिकी कर्मचारी श्री संजय कुमार पाण्डेय, श्री फ्रांसिस युनिस, श्री बिलबर सिंह तथा श्रमिक वर्ग की श्रीमती चुनकी बाई को उनकी सेवानिवृत्ति के उपलक्ष में सम्मानित किया गया.

कार्यक्रम का संचालन सुश्री प्रियंका सावन ने किया एवं आयोजन सचिव डॉ बी. यू. दुपारे, प्रधान वैज्ञानिक ने आभार व्यक्त किया |